

आत्मावसाद पुं. (तत्.) [आत्म+अवसाद] अपना अवसाद, अपना दुःख, अपनी व्यथा।

आत्माश्रय वि. (तत्.) [आत्म+आश्रय] केवल अपनी योग्यता, बुद्धि और शक्ति पर भरोसा करने वाला, आत्मनिर्भर।

आत्मिकता स्त्री. (तत्.) 1. परमात्मा से एकात्मभाव, आत्मा का परमात्मा में लीन होना 2. अपना समझने का भाव 3. अपनापन, निकटता, घनिष्ठता, आत्मीय होने की अवस्था।

आत्मीय वि. (तत्.) अपना, निज का, स्वकीय पुं. (तत्.) स्वजन, रिश्तेदार।

आत्मीयता स्त्री. (तत्.) अपनापन, अपना होने का भाव।

आत्मोक्ति स्त्री. (तत्.) [आत्म+उक्ति] स्वगत कथन, अपने आप से बोलना टि. नाटकों में आत्मोक्ति अथवा स्वगत कथन का विशेष महत्व होता है।

आत्मोत्कर्ष पुं. (तत्.) [आत्म+उत्कर्ष] 1. अपनी उन्नति 2. आत्मा की उन्नति, आध्यात्मिक उत्थान।

आत्मोत्सर्ग पुं. [आत्म+उत्सर्ग] (तत्.) स्वयं को बलिदान कर देना।

आत्मोदय पुं. (तत्.) [आत्म+उदय] 1. अपनी उन्नति, अपना विकास 2. आध्यात्मिक प्रगति, आत्मोत्कर्ष।

आत्मोद्धार पुं. (तत्.) [आत्म+उद्धार] अपना उद्धार, अपनी मुक्ति।

आत्मोद्भव पुं. (तत्.) [आत्म+उद्भव] 1. स्वयं उत्पन्न होने वाला, कामदेव 2. आत्मज, पुत्र।

आत्मोद्भवा स्त्री. (तत्.) आत्मजा, पुत्री।

आत्मोन्नति पुं. (तत्.) [आत्म+उन्नति] 1. अपनी उन्नति, अपना उत्कर्ष 2. आत्मा की उन्नति।

आत्मोपजीवी वि. (तत्.) 1. अपनी मेहनत से जीविका उपार्जित करने वाला व्यक्ति 2. स्वयं अपना ही व्यवसाय या काम करने वाला व्यक्ति 3. सार्वजनिक अभिनेता, पात्र।

आत्मोपम वि. [आत्म+उपम] (तत्.) अपने जैसा, पुत्र।

आत्मोपम्य पु. (तत्.) [आत्म+औपम्य] सबको अपने जैसा मानने का भाव।

आत्मोपलब्धि स्त्री. (तत्.) [आत्म+उपलब्धि] सत्य की जानकारी, आत्म/ब्रह्म का ज्ञान, स्व का आध्यात्मिक विकास।

आत्यंतिक वि. (तत्.) 1. बहुत अधिक, प्रचुर, अत्यधिक 2. सतत, अनवरत, अनंत 3. सर्वोच्च, पूर्ण।

आत्यंतिक अधिकार पुं. (तत्.) विधि. सर्वथा पूर्ण अधिकार, सर्वविध अधिकार, अप्रतिहत अधिकार।

आत्यंतिकता स्त्री. (तत्.) 1. निरंतरता का भाव 2. पूर्णता का भाव 3. अनन्यता का भाव।

आत्यंतिक प्रलय पुं. (तत्.) परमलीनता, कैवल्य, मुक्ति, मोक्ष, सद्योमुक्ति।

आत्यंतिक युद्ध पुं. (तत्.) पूर्ण विजय के लिए शत्रु को जड़-सहित नष्ट कर देने वाला युद्ध टि. इसमें नागरिक और असैनिक ठिकाने भी युद्ध के निशाने पर होते हैं पर्या. पूर्ण युद्ध absolute war

आत्यंतिकी स्त्री. (तत्.) 1. निरंतरता 2. पूर्णता 3. अनन्य, आत्यंतिकता।

आत्ययिक वि. (तत्.) 1. विनाशक, विध्वंसक, सर्वनाशक 2. दुर्भाग्यपूर्ण 2. कष्टकारक 3. अशुभकारी 4. अत्यावश्यक 5. आपाती।

आत्रेय वि. (तत्.) अत्रि गोत्रवाला पुं. (तत्.) अत्रि का पुत्र।

आत्रेयिका स्त्री. (तत्.) रजस्वला स्त्री।

आत्रेयी स्त्री. (तत्.) 1. अत्रि ऋषि की पत्नी 2. अत्रि गोत्र वाली स्त्री 3. रजस्वला स्त्री।

आथना¹ अ.क्रि. (तद्.) अस्तित्व प्रदान करना, व्यवहार में लाना।

आथना² अ.क्रि. (तद्.) अस्त होना, प्रत्यक्ष न रहना।

आथर्वण पुं. (तत्.) 1. अथर्ववेद का ज्ञाता 2. यज्ञ का पुरोहित 3. अथर्ववेद।

आदंश पुं. (तत्.) 1. डंक मारने से हुआ घाव, दाँत काटे का घाव 3. डंक 4. दाँत।